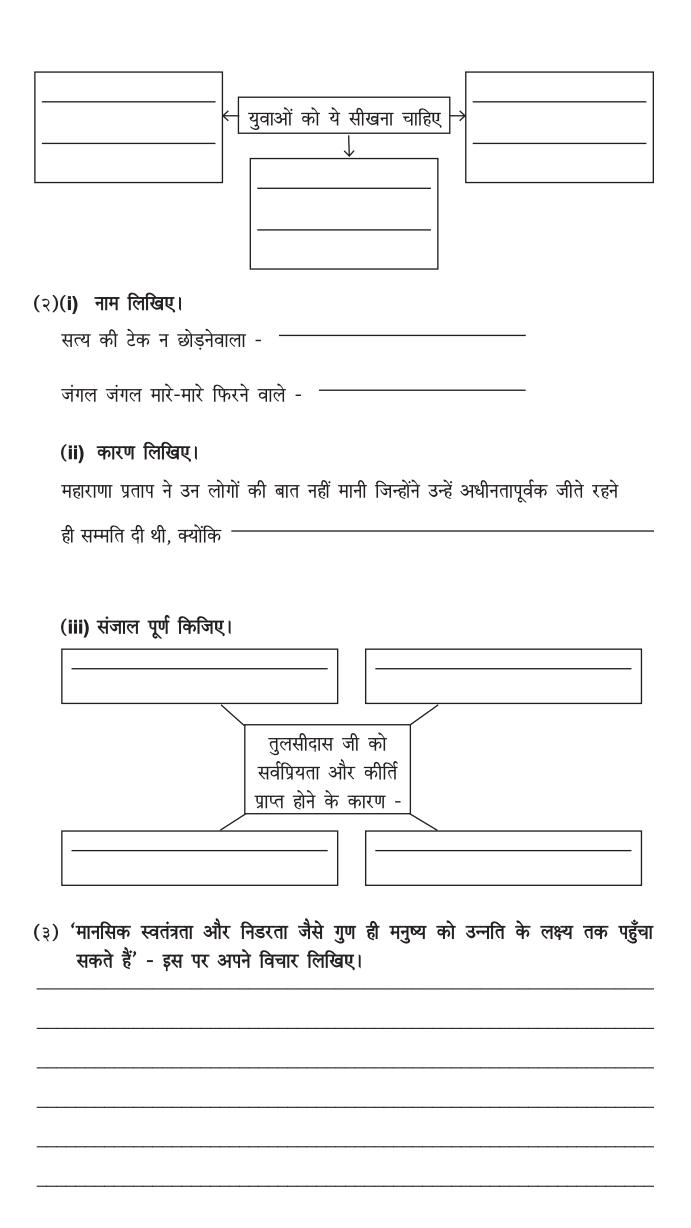
Name: Div.: Date:/_ आत्मनिर्भ प्र.१) दिए गए अर्थों के शब्द लिखिए।	Std. VIII
आत्मिनर्भ	रिता
प्र.१) दिए गए अर्थों के शब्द लिखिए।	
क) जो सबको प्रिय हो -	- अनुयायी
ख) जरूरी, आवश्यक -	अध्यवसायी
ग) जिस पर भरोसा किया जा सके -	अनिवार्य
घ) चित्त की अवस्था, मन का भाव -	सर्वप्रिय
ङ) अनुसरण करनेवाला, पीछे चलनेवाला -	आत्मनिर्भरता
च) उद्यमशील, उत्साही -	चित्तवृत्ति
छ) स्वयं पर निर्भर रहना -	- विश्वासपात्र
प्र.२) पठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुस	गर कृतियाँ कीजिए।
संसार में ऐसे-ऐसे दृढ़चित्त मनुष्य हो गए हैं स्वतंत्रता, निर्द्वंद्वत	ा और आत्मनिर्भरता के कारण। (पाठ्यपुस्तक, पृष्ठ क्रमांक २७-२८)
(१)(i) संजाल पूर्ण किजिए।	
वे युवा पुरुष आत्मसंस्कार के कार्य में उन्नित नहीं कर सकते, जो -	



Name:					Std. V I
Roll No.:	Div.:	<i>Date</i> :	_//2	0	COMPO
		 आर्त्मा	 नेर्भरता		34
BCG					
_	छेद पढ़कर दी गई [ः]	सूचनाओं के उ	अनुसार कृ	तियाँ कीजिए	Į)
(१) कृति पूर्ण					
i)	एक इति	ाहासकार कहता	है कि -		
ii) 'स्वावलंब	न' के कारण ही किस [े]	ने क्या किया?			
	स्वार	त्रलंबन के कारप	ग ही		
लक्ष्मण जी	ने -	हनुमान जी ने -		कोलंब	बस ने -
iii) नाम लिरि					
क) इन्होंने औ ————————————————————————————————————	रंगजेब की सेना पर छ	गपा मारकर उसे —	ितितर-बित	ार कर दिया	-
ख) यह बिना	किसी गुरु के बड़ा धनु	पुर्धर हुआ - [—]			
(२)(i) विलो	न शब्द लिखिए। (उत्तम, विजय	ı तीर निर्धाः	र ग्रार्थक	ਧਮਰੰਤ)	
		,	,		
स्वतत्र ×	निरर्थ	わ ×		ानवान ×	_
अधम ×	पराजय	×		कायर × —	
(ii) समा	गार्थी शब्द लिखिए।				
इनसान -		ঞ্চি	क्षिक आच	ार्य	

क) ख) 	इस शब्द के दे तीर (अर्थ - — तीर (अर्थ - —		—) —)			
ख) 	तीर (अर्थ - 🗆)	DI 22 -22		
	·			PI 22 -22-		
	·			n		
(3) (श्रम से आत्मप्रति	ाष्ठा प्राप्त होती	. है', क्ष	, and and		
(ş) '·	श्रम से आत्मप्रति	ाष्ठा प्राप्त होती	· है', क्ष	on al		
				यग का उदाह	रण द्वारा र	स्पष्ट कीजिए।
४) निम्	नलिखित मुहाव	ारों का अर्थ 1	लेखकर	अपने वाक	यों में प्रयो	ग कीजिए।
क) वि	ाजय प्राप्त करन	1 -				
ख) ति	ातर-बितर होना	_				
	ए और लिखि	п.				
	अप आर ।लाखाः अनिवार्य	ए। विश्वासप	गात्र	आत्मिन	ोर्भरता	निर्द्वंद्वता

\$5. 	Std. VIII
Name:	
Roll No.: Div.:	Date://20
BCC/SSC/2020-2179-HINDI	आत्मनिर्भरता
	भाषा ज्ञान दे हैं हैं रण पुनरावृत्ति
१) निम्नलिखित वाक्यों में आए संज्ञा श	राब्दों को रेखांकित कीजिए।
क) हमारा विद्यालय बहुत बड़ा है।	ख) सच्ची मित्रता दुर्लभ है।
ग) मैं मुंबई जा रहा हूँ।	घ) वे चारों तरफ फैली हरियाली देखने लगे।
२) सही सर्वनाम चुनकर वाक्य पूरे की (हमे	जिए। i, वह, तुम, कौन)
क) — जोर से बोल रहा है।	ख) — शोर क्यों मचाते रहते हो ?
ग) ——— बाजार जाना है।	घ) दरवाजे के पास ——— खड़ा है?
३) निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण व	राब्दों को रेखांकित कीजिए।
क) गाय का दूध मीठा और ताजा है।	ख) कक्षा में पचास विद्यार्थी बैठे थे।
ग) यह सिद्धार्थ की पतंग है।	घ) खीर में थोड़ी चीनी और डाल दो।
४) क्रियाओं को रेखांकित करके लिखि	ए कि क्रियाएँ सकर्मक है कि अकर्मक।
क) माँ खाना बना रही हैं।	
ख) अनुराग मुंबई में रहता है।	
ग) रमेश पुस्तक पढ़ता है।	
घ) प्रतिमा ने चित्र बनाया।	
५) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त सहाय	क क्रियाओं को रेखांकित कीजिए।
क) मैं आपका काम नहीं कर सका।	ख) लोग शोर सुनकर वहाँ आ पहुँचे।

ग) पानी धीरे-धीरे कम हो जाएगा।

घ) उनका व्यक्तित्व समाज को सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

है, वे विकारी शब्द कहलाते हैं। संज्ञा, सर्वनाम, विशेष वाक्य की आवश्यकता के अनुसार परिवर्तन हो सक	
जैसे - लड़का जाता है। लड़के जाते वह खेलता है। वे खेलते	
६) निम्नलिखित वाक्यों में से अव्यय शब्द चुनक	र उनके भेद लिखिए।
क) मेरे पास बहुत सामान था और उसके साथ चलना व	oिठन था।
ख) साबुन के साथ पेंसिल मुफ्त मिलेगी।	
ग) अहा! कितना सुंदर दृश्य है।	
घ) नाविक ने यात्रियों को धीरे-धीरे उतारा।	
ङ) मधुर अभी-अभी गया है।	
	0: 1 1 0
अविकारी शब्द - जो शब्द किसी स्थिति में अपना र हैं। क्रियाविशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधबोधक, विस्म जैसे - लड़का <u>धीरे-धीरे</u> चलता है। लड़की <u>धीरे-ध</u>	यादिबोधक अविकारी शब्द कहलाते हैं।
हैं। क्रियाविशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधबोधक, विस्म	यादिबोधक अविकारी शब्द कहलाते हैं। ोरे चलती है। लड़के <u>धीरे-धीरे</u> चलते हैं।
हैं। क्रियाविशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधबोधक, विस्म जैसे - लड़का <u>धीरे-धीरे</u> चलता है। लड़की <u>धीरे-ध</u>	यादिबोधक अविकारी शब्द कहलाते हैं। ोरे चलती है। लड़के <u>धीरे-धीरे</u> चलते हैं।
हैं। क्रियाविशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधबोधक, विस्म जैसे - लड़का <u>धीरे-धीरे</u> चलता है। लड़की <u>धीरे-ध</u> ७) रेखांकित विकारी या अविकारी शब्द का शब्	यादिबोधक अविकारी शब्द कहलाते हैं। ोरे चलती है। लड़के <u>धीरे-धीरे</u> चलते हैं।
हैं। क्रियाविशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधबोधक, विस्म जैसे - लड़का <u>धीरे-धीरे</u> चलता है। लड़की <u>धीरे-ध</u> ७) रेखांकित विकारी या अविकारी शब्द का शब् क) चौराहे पर <u>कुछ</u> लोग खड़े हैं।	यादिबोधक अविकारी शब्द कहलाते हैं। ोरे चलती है। लड़के <u>धीरे-धीरे</u> चलते हैं।
हैं। क्रियाविशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधबोधक, विस्म जैसे - लड़का <u>धीरे-धीरे</u> चलता है। लड़की <u>धीरे-ध</u> ७) रेखांकित विकारी या अविकारी शब्द का शब्द क) चौराहे पर <u>कुछ</u> लोग खड़े हैं। ख) मोहन <u>दिल्ली</u> में रहता है।	यादिबोधक अविकारी शब्द कहलाते हैं। ोरे चलती है। लड़के <u>धीरे-धीरे</u> चलते हैं।
हैं। क्रियाविशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधबोधक, विस्म जैसे - लड़का <u>धीरे-धीरे</u> चलता है। लड़की <u>धीरे-ध</u> ७) रेखांकित विकारी या अविकारी शब्द का शब् क) चौराहे पर कुछ लोग खड़े हैं। ख) मोहन <u>दिल्ली</u> में रहता है। ग) मैं <u>और</u> मेरी बहन खेल रहे थे।	यादिबोधक अविकारी शब्द कहलाते हैं। ोरे चलती है। लड़के <u>धीरे-धीरे</u> चलते हैं।
हैं। क्रियाविशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधबोधक, विस्म जैसे - लड़का <u>धीरे-धीरे</u> चलता है। लड़की <u>धीरे-ध</u> ७) रेखांकित विकारी या अविकारी शब्द का शब् क) चौराहे पर कुछ लोग खड़े हैं। ख) मोहन <u>दिल्ली</u> में रहता है। ग) मैं <u>और</u> मेरी बहन खेल रहे थे। घ) यह काम मैं <u>स्वयं</u> करूँगा।	यादिबोधक अविकारी शब्द कहलाते हैं। ोरे चलती है। लड़के <u>धीरे-धीरे</u> चलते हैं।

विकारी शब्द - जिन शब्दों में लिंग, वचन, काल आदि के कारण परिवर्तन या विकार आ जाता